



SSC GD 2025



अवसर बैच

हिंदी

विलोम शब्द

Part -6

LIVE 15-05-2024 11:00 AM



 **SSC GD 2025** **हिंदी** **अवसर बेच** 

क्र.स.	विलोम शब्द
✓ 161.	कृपण (कंपूरा) → दानी ✓
✓ 162.	कौटिल्य (टेढ़ापन) → आर्जव (सीधापन)
✓ 163.	भूगोल → रवगोल
✓ 164.	अवर (छोटा, कनिष्ठ) → प्रवर
✓ 165.	वादी → प्रतिवादी
✓ 166.	आवेशित → अनावेशित ✓
✓ 167.	सुलभ (सहज) → दुर्लभ
✓ 168.	परिश्रम → विभाग ✓

SSC GD 2025 हिंदी भावसर बेच

169.	विहित (उचित, मुनासिब)	→	निषिद्ध (अनुचित)
170.	सहयोगी	→	प्रतिभोगी
171.	स्वाधीन	→	पराधीन
172.	शुक्ल (सफेद)	→	कृष्ण (काला)
173.	तीक्ष्ण (तीव्र)	→	मंद (धीमा)
174.	उपार्जित (कमाया हुआ)	→	अनुपार्जित
175.	अक्षर	→	क्षर ✓ (मिलाने योग्य ही)
176.	कृश (दुबला)	→	दृष्ट-पुष्ट / स्थूल / गजबूत /
177.	खंडन	→	मंडन ✓
178.	चपल (गतिमान)	→	गंभीर ✓

SSC GD 2025 हिंदी भावसर बेच

✓ 179.	भ्रान्त	→	निभ्रान्त
✓ 180.	गुरु	→	शिष्य / लघु / ह्रस्व ✓
✓ 181.	तृष्णा (प्यास)	→	वितृष्णा
✓ 182.	तटस्थ (निकट)	→	आसक्त (दूर)
✓ 183.	संघटन (मेल)	→	विघटन
✓ 184.	प्रवेश	→	निकास
✓ 185.	परास्त (दराना)	→	विजय (जीत)
✓ 186.	ईप्सित (चाहा हुआ)	→	अनीप्सित (बिना चाहा हुआ)
✓ 187.	हया	→	बेदना ✓
✓ 188.	निष्काम	→	सकाम

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बेच

✓ 189.	तृष्णा (प्याय)		
190.	तटस्थ (निकट)		अनाथ — ^{लाभ} ^{हानि}
191.	संघटन (मेल)		
192.	प्रवेश	X	नदी (स्वामी/मालिक)
193.	परास्त		
194.	ईप्सित (चाहा हुआ)		
195.	हया		
196.	निष्काम		
✓ 197.	पूर्ववर्ती		→ परवर्ती
✓ 198.	मिथ्या (झूठ)		→ सत्य (सच)

SSC GD 2025 हिंदी भाषा बेंच

199.	इहलोक (यह जगत)	→	परलोक (इतरा जगत)
200.	स्वतन्त्रतापूर्वक	→	दासतापूर्वक ✓
201.	मौखिक	→	लिखित
202.	अपना	→	पराया
203.	आधिक्य	→	अनाधिक्य
204.	उत्कर्ष	→	अपकर्ष
205.	कोलाहल (शोर, हल्ला)	→	शांत ✓
206.	गहरा	→	दिल्ला उथला ✓ (2021)
207.	कलंकित	→	निष्कलंक
208.	एकपक्षीय	→	बहुपक्षीय

SSC GD 2025 हिंदी भाषा बेंच

✓ 209.	वसंत (फूलों का गुच्छा)	→	पतझड़ ✓
✓ 210.	शूरता	→	भीरुता ✓
✓ 211.	सुदूर	→	सन्निकट
✓ 212.	स्वाधीनता	→	पराधीनता
✓ 213.	अपशकुन	→	शकुन ✓
✓ 214.	मूढ (मूर्ख)	→	ज्ञानी ✓
✓ 215.	निर्भीक	→	कायर
✓ 216.	वांछनीय (चाहने योग्य)	→	अवांछनीय
✓ 217.	सुगंध	→	दुर्गंध
✓ 218.	सुंदरता	→	कुरूपता ✓

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बेच

219.	रक्षक	→	भिक्षक
220.	व्याप्त (फैला हुआ)	→	अव्याप्त

221 पाप



पुण्य



द्विग